Course outcomes:

DEPARTMENT OF HINDI (Under CBCS)

Paper	Course	Outcome
हिन्दी साहित्य का इतिहास (रीतिकाल तक)	HIN-HC-1016:	विद्यार्थियों को आदिकालीन हिन्दी साहित्य, भक्तिकालीन हिन्दी साहित्य, एवं रीतिकालीन हिन्दी साहित्य के इतिहास की सम्यक जानकारी देना प्रस्तुत प्रश्न-पत्र का प्रमुख लक्ष्य हैं ।
हिन्दी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)	HIN-HC-1026:	विद्यार्थियों को आधुनिक हिन्दी साहित्य के इतिहास की सम्यक जानकारी देना, साथ ही उन्हें खड़ीबोली हिन्दी गद्य के उद्भव एवं विकास के साथ परिचित कराना इस प्रश्न-पत्र का प्रमुख लक्ष्य हैं ।
आदिकालीन एवं मध्यकालीन हिन्दी कविता	HIN-HC-2016:	विद्यर्थियों को विद्यापति, कबीर, जायसी, सूरदास, तुलसीदास, बिहारी, घनानन्द, देव, मतिराम जैसी अमर विभूतियों का काव्य-रस प्रदान करना, साथ ही उन्हें मैथिली, सधुक्कड़ी, अवधी और ब्रज भाषा हिन्दी से परिचित कराना प्रस्तुत प्रश्न-पत्र का प्रधान लक्ष्य हैं ।
आधुनिक हिन्दी कविता (छायावाद तक)	HIN-HC-2026:	विद्यार्थियों को खड़ीबोली हिन्दी में रचित भारतेन्दुयुगीन, दिवेदीयुगीन और छायावादयुगीन कविताओं के रस प्रदान करते हुए उन्हें आधुनिक-बोध आधुनिक काव्य-शिल्प से परिचित कराना प्रस्तुत प्रश्न-पत्र का प्रमुख लक्ष्य हैं ।
छायावादोत्तर हिन्दी कविता	HIN-HC-3016:	विद्यार्थियों को हिन्दी की प्रगतिवादी, राष्ट्रीय-सांस्कृतिक, प्रयोगवादी और नयी कविता की संवेदना एवं शिल्पगत विशेषताओं की सम्यक जानकारी देना प्रस्तुत प्रश्न-पत्र का प्रमुख लक्ष्य हैं ।
भारतीय काव्यशास्त्र	HIN-HC-3026:	विद्यार्थियों को हिन्दी काव्य साहित्य की शास्त्रीय समीक्षा हेतु भारतीय काव्यशास्त्र के मुख्य सिद्धान्तों की सम्यक जानकारी देना प्रस्तुत प्रश्न-पत्र का प्रमुख लक्ष्य हैं ।
पाश्चात्य काव्यशास्त्र	HIN-HC-3036:	विद्यार्थियों को पाश्चात्य काव्य साहित्य की शास्त्रीय समीक्षा हेतु पाश्चात्य काव्यशास्त्र के मुख्य सिद्धान्तों की सम्यक जानकारी देना प्रस्तुत प्रश्न-पत्र का प्रमुख लक्ष्य हैं ।
भाषा विज्ञान, हिन्दी भाषा एवं देवनागरी लिपि	HIN-HC-4016:	विद्यार्थियों को भाषाविज्ञान की मूलभूत बातों के साथ हिन्दी भाषा के उद्भव-विकास तथा देवनागरी लिपि के बारे में सम्यक जानकारी देना प्रस्तुत प्रश्न-पत्र का प्रमुख लक्ष्य हैं ।
हिन्दी कथा साहित्य	HIN-HC-4026	विद्यार्थियों को हिन्दी कथा साहित्य के अनंतर्गत उपन्यास और कहानी के स्वरूप, उद्भव एवं विकास की जानकारी देते हुए चुनिन्दा उपन्यास और कहानियों के माध्यम से उभरते हुए जीवन-बोध से उन्हे परिचित कराना प्रस्तुत प्रश्न-पत्र का प्रमुख लक्ष्य हैं ।
हिन्दी नाटक एवं एकांकी	HIN-HC-4036:	विद्यार्थियों को हिन्दी नाटक एवं एकांकी साहित्य के स्वरूप, उद्भव एवं विकास की जानकारी देते हुए चुनिन्दा नाटकों एवं एकांकियों के माध्यम से उभरते हुए आधुनिक जीवन-बोध से उन्हे परिचित कराना प्रस्तुत प्रश्न-पत्र का प्रमुख लक्ष्य हैं ।
हिन्दी निवंध एवं अन्य गद्य विधाऍ	HIN-HC-5016:	विद्यार्थियों को हिन्दी निबन्ध, संस्मरण और रेखाचित्र के स्वरूप तथा हिन्दी निबन्ध साहित्य के इतिहास की जानकारी देते हुए चुनी हुई रचनाओं के माध्यम से इन प्रभावी गद्य-विधाओं की

		शिल्पगत विशेषताओं के साथ उन्हे परिचित कराना प्रस्तुत प्रश्न-पत्र का प्रमुख लक्ष्य हैं ।
प्रयोजनमूलक हिन्दी	HIN-HC-5026:	विद्यार्थियों को हिन्दी भाषा के विविध रूपों और हिंदी संबंधी विविध संवैधानिक प्रावधानों की सम्यक जानकारी देना, साथ ही कार्यालय, विज्ञान, व्यवसाय, संचार-माध्यम आदि के संदर्भों में प्रयुक्त होने वाली हिन्दी के प्रयोजनमूलक स्वरूपों के साथ उन्हे भली-भाँती परिचित कराना (ताकि वे इस क्षेत्र में आजीविका की तलाश कर सकें) इस प्रश्न-पत्र का प्रमुख लक्ष्य हैं ।
हिन्दी की साहित्यिक पत्रकारिता	HIN-HC-6016:	विद्यार्थियों को हिन्दी साहित्यिक पत्रकारिता के स्वरूप तथा भारतेन्दु-युग से अब तक अनवरत् रूप से प्रवाहित हिन्दी की साहित्यिक पत्रकारिता के साथ साथ उन्हे भली-भाँती परिचित कराना (ताकि वे इस क्षेत्र में आजीविका की तलाश कर सकें) इस प्रश्न-पत्र का प्रमुख लक्ष्य हैं ।
हिन्दी परियोजना कार्य (Hindi Project Work)	HIN-HC-6026:	विद्यार्थियों की शोध-प्रवृत्ति को जगाना, उनकी आलोचनात्मक समीक्षाकी योग्यता को प्रोत्साहित करना, साथ ही तकनीकी (डी,टी,पी, पावर पाँइंट प्रेजेंटेशन के रूप में) उपयोग हेतु उन्हें प्रेरित करना इस परियोजना-कार्य का प्रमुख लक्ष्य हैं ।
लोक-साहित्य-चिन्तन	HIN-HE-5016:	विद्यार्थियों को लक, लोक-वार्ता, लोक-संस्कृति और लोक-साहित्य (लोक-गीत, लोक-नाट्य, लोक-कथा आदि) की सम्यक जानकारी देते हुए उन्हें लोक-जीवन की सरसता की ओर उन्मुख करना प्रस्तुत प्रश्न-पत्र का प्रमुख लक्ष्य हैं ।
हिन्दी परियोजना कार्य	HIN-HE-5026:	विद्यार्थियों को हिन्दी की समृध्द राष्ट्रीय-सांस्कृतिक काव्यधारा क इतिहास तथा इस धारा के चुनिंदा कवियों की सरस रचनाओं से परिचित कराकर उनमें राष्ट्रीयता की भावना एवं सांस्कृतिक चेतना को जगाना इस प्रश्न-पत्र का प्रमुख लक्ष्य हैं ।
छायावादी काव्यधारा	HIN-HE-6016:	विद्यार्थियों को हिन्दी की छायावादी काव्य धारा के। इतिहास और चुनी हुई छचायावादी कविताओं से परिचित कराकर उन्हें इस अनोखी काव्यधारा की संवेदना एवं शिल्पगत विशेषताओं के दर्शन कराना प्रस्तुत प्रश्न-पत्र का प्रमुख लक्ष्य हैं ।
प्रेमचन्द का साहित्य	HIN-HE-6026:	विद्यार्थियों को हिन्दी के महान कथाकारमुंशी प्रेमचन्द द्वारा विरचित साहित्य की सामान्य जानकारी देते हुए चुनी हुई रचनाओं (उपन्यास, नाटक, निबंध, कहानियाँ) के विशेष अध्ययन के जरिए उनलोगों को इस लोकप्रिय साहित्यकार से भली-भाँती परिचित कराना प्रस्तुत प्रश्न-पत्र का प्रमुख लक्ष्य हैं।
हिन्दी साहित्य का इतिहास	HIN-HG-1016:	विद्यार्थियों को आदिकाल, भक्तिकाल, रीतिकाल और आधुनिककाल – इन चारों कालखण्डों में विरचित हिन्दी साहित्य के इतिहास की सामान्य जानकारी देना प्रस्तुत प्रश्न-पत्र का प्रमुख लक्ष्य हैं ।
मध्यकालीन हिन्दी कविता	HIN-HG-2016:	विद्यार्थियों को कबीरदास, सूरदास, तुलसीदास, और घनानन्द, जैसी अमर विभूतियों का काव्य-रस प्रदान करना, साथ ही उन्हें मैथिली, सधुक्कड़ी, अवधी और ब्रज भाषा हिन्दी से परिचित कराना प्रस्तुत प्रश्न-पत्र का प्रधान लक्ष्य हैं ।
आधुनिक हिन्दी कविता	HIN-HG-3016:	विद्यार्थियों को खड़ीबोली हिन्दी में रचित दिवेदीयुगीन, राष्ट्रीय-सांस्कृतिक, छायावादयुगीन एवं छायावादोत्तर कविताओं का रस प्रदान करते हुए उन्हें आधुनिक भाव-बोध तथा आधुनिक काव्य-शिल्प से परिचित कराना प्रस्तुत प्रश्न-पत्र का प्रमुख लक्ष्य हैं ।

हिन्दी गद्य साहित्य	HIN-HG-4016:	विद्यार्थियों के समक्ष हिन्दी उपन्यास, कहानी, निबन्ध – जैसी गद्य-विधाओं की झाँकी प्रस्तुत करते हुए चुनी हुई रचनाओं का रसास्वादन कराना एवं उनके माध्यम से उभरते हुए जीवन-बोध का परिचय दिलवाना प्रस्तुत प्रश्न-पत्र का प्रमुख लक्ष्य हैं ।
कार्यालयीन अनुवाद	HIN-SE-3014:	विद्यार्थियों को हिन्दी भाषा के विविध रूपों, हिन्दी-सम्बन्धी विविध संवैधानिक प्रावधानों, हिन्दी के माध्यम से किए जानेवाले विभिन्न पत्राचारों, प्रशासनिक पत्रावली की निष्पादन-प्रक्रियाओं और कार्यालयीन प्रयोजनों में विभिन्न यांत्रिक उपकरनों के अनुप्रयोग-सम्बन्धी सम्यक जानकारी देकर उनके हिन्दी प्रयोग-सम्धी कौशल में वृद्धि लाना इस प्रश्न-पत्र का प्रमुख लक्ष्य हैं।
अनुवाद विज्ञान	HIN-SE-4014:	विद्यार्थियों को अनवाद-सम्बन्धी संवैधानिक एवं व्यवहारिक ज्ञान देकर, विशेषत: कार्यालयीन अनुवाद के सन्दर्भ में राजभाषा–नीति के अनुपालन में धारा 3(3) के अन्त्रर्गत निर्धारित दस्तावेजों के सटीक अनुवाद की सम्यक जानकारी प्रदान करके कार्यालय, तनीकी, सर्जनात्मक साहित्य आदि विविध क्षेत्रों में उनके हिन्दी-अनुवाद-सम्धी कौशल में वृद्धि लाना इस प्रश्न-पत्र का प्रमुख लक्ष्य हैं ।